एक कबूतर

आलिया

एक कबूतर

आलिया

एक दिन मैं घर
में बैठी थी।

अम्मी खाना बना
रही थी।

कबूतर उड़ता हुआ आया।

कबूतर पंखे
से टकरा
गया और
उसका पंख
कट गया।

उसके खून निकल आया।

मैंने उसे दवाई लगाई।

कबूतर ठीक हो
गया और वो उड़ने
लगा।

उसे उड़ता देख मैं
बहुत खुश हुई।

एक कबूतर

लेखन और चित्रः आलिया

लर्निंग कलेक्टिव, जे.पी.कॉलोनी, नई दिल्ली–110002

प्रकाशक : अंकुर सोसायटी फ़ॉर ऑल्टर्नेटिव्ज़ इन एजुकेशन

2014